ब्रेकथ्रू का यौन उत्पीड़न के खिलाफ 'आस्किंग फॉर इट' अभियान

सेल्फी औऱ नुक्कड़ नाटक से सेक्सुअल हैरेसमेंट के खिलाफ लोगों को किया जागरुक

लखनऊ 19 जून 2015, मानवाधिकार और महिला हिंसा के खिलाफ काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था **'ब्रेकथ्रू'** ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ चलाए जा रहे अपने अभियान **#Askingforit** से जोड़ने के लिए अब सेल्फी और नुक्कड़ नाटक को माध्यम बनाया है।इसी के तहत आज हजरतगंज स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के सामने एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मौके पर फ्रेम,आली,दस्तक और एस फाउंडेशन स्वंयसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहें औऱ कार्यक्रम को अपना विशेष सहयोग दिया।

इस मौके पर ब्रेकथ्रू की स्टेट मैनेजर कृति प्रकाश ने कहा कि यह अभियान खास तौर से सार्वजनिक परिवहन और बस,ऑटो स्टॉप्स को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने के लिए शुरू किया गया।जिसमें हमारा फोकस खास तौर से उन लोगों पर है जो यौनिक हिंसा होते समय वहां आस-पास मौजूद होते हैं और वो घटना होते हुए देखते रहते हैं। हम उस अभियान के माध्यम से खास तौर से इन लोगों का जागरुक करना चाहते हैं।क्योंकि किसी लड़की या महिला के साथ अगर यौनिक हिंसा होती है तो सबसे पहले यह लोग ही उसकी मदद कर सकते है,पुलिस व अन्य सहायता तो बाद में पहुंचती है।उन्होंने बताया कि यह अभियान हमारे उस सर्वे पर आधारित हो जो हमने उत्तर प्रदेश सहित देश के 6 राज्यों में किया है।जिसके मुताबिक 90 फीसदी महिलाओं ने माना कि घर से बाहर निकलने पर सार्वजनिक परिवहन पकड़ने के स्थान जैसे ऑटो और बस स्टैंड जैसी सार्वजनिक जगहों पर उन्होने कभी न कभी यौन उत्पीड़न का सामना किया है।

इस मौके पर महिला सम्मान प्रकोष्ठ की इंसपेक्टर सत्या सिंह ने कहा कि अकसर हमें यौन उत्पीड़न की शिकायतें मिलती रहती है।जिसमें खास बात यह कि हमें यह देखने को मिलता है कि लोग सेक्सुअल हैरेसमेंट को गंभीर मुद्दे की जगह सामान्य छेड़छाड़ समझते हैं।उन्हें इसका अहसास ही नही होता कि उनकी एक हरकत किसी लड़की या महिला की जिदंगी पूरी तरह से बदल देती है। जरूरी है कि हम पहले यह जाने के यौनिक हिंसा छेड़छाड़ नही बल्कि एक अपराध है।इसे रोकने के लिए पुलिस के साथ ही आम लोगों के भी सहयोग की जरूरत

है।महिला सम्मान प्रकोष्ठ अपनी तरफ ऐसा माहौल बनाने का पूरा प्रयास कर रहा है जहां महिलाओं को पूरा सम्मान व हक मिले।

सेल्फी खिचाओ के माध्यम से लोगों ने यौनिक हिंसा के खिलाफ अपनी प्रतिबध्यता दिखाते हुए सेक्सुअल हैरेसमेंट के खिलाफ मैं खड़ा रहूंगा,छेड़छाड़ मस्ती नही यौन उत्पीड़न है,चुप्पी तोड़ो खुल कर बोलो,यौनिक हिंसा अब नही,मैं यौन हिंसा के खिलाफ आवाज उठाउंगा लिखे प्लाकार्ड के साथ सेल्फी खिचाई।

इस मौके पर ब्रेकथ्रू की तरफ से **द फकीरा** ग्रुप ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यौन उत्पीड़न के बारे में लोगों को समझाने का प्रयास किया कि किस तरह से एक लड़की या महिला के साथ यौन उत्पीड़न की घटना होती है और उसकी जिदंगी पर इसका क्या असर पड़ता है साथ ही इसमें उस आम आदमी की क्या भूमिका हो सकती है जिसके सामने यह घटना हो रही है।

कार्यक्रम में ब्रेकथ्रू से अर्चना,सुनील,मनीष,विनीत,मोहित,रिंकी स्वंयसेवी संस्था फ्रेम से धीरज,सोनाली,उत्कर्ष,ऐश्वर्या दरबारी,ऐश्वर्या सिंह,रत्ना,शोभित,महिमा,कीर्ति किशोर,प्रज्ञा,आली से अपूर्वा,शबाना,अस्मिता,दस्तक मंच से दीपक कबीर और राज,एस फाउंडेशन से जीशान शामिल हुए।

ब्रेकथ्रू के बारे में :-

ब्रेकथ्रू एक मानवधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों पर होने वाली हिंसा औऱ भेदभाव को मिटाने के लिए काम करती है।

कला,मीडिया,लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक एसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके।

हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं। उसे दुनिया भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक और जरूरी बना रहे हैं।इस सबके साथ हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को विस्तृत प्रशिक्षण भी देते हैं जिससे एक नयी ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करिए :-

विनीत त्रिपाठी
ब्रेकथ्रू
09792267809/8573975555